पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

जमानत के बाद जेल से बाहर आए राजपाल यादव

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 291 ■ गुरुवार 19 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

महायुति की पहली आम सभा में जन विरोधी मुद्दे

पानी दरों में वृद्धि का प्रस्ताव

भाजपा-शिवसेना के मनमुटाव का खामियाजा भुगतेगा शहर

■ स्थायी समिति व विविध समितियों के सदस्यों के चुनाव लटके

■ स्वीकृत नगरसेवकों का चयन भी अधर में लटका

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका में नई सत्ता को 15 दिन हो गए हैं लेकिन महापौर-उपमहापौर केवल फोटो सेशन में ही व्यस्त नजर आ रहे हैं। अभी तक सड़कों की मरम्मत, पानी की किल्लत और शहर में सफाई व यातायात जैसी प्रमुख मूलभूत सुविधा से राहत का नामोनिशान नहीं है। ऐसे में महायुति की पहली आम सभा शुक्रवार 20 फरवरी को होने जा रही है जिसमें जनविरोधी मुद्दे भी आ चुके हैं। हैरानी यह भी है कि अब तक स्थायी समिति व विविध समितियों के सदस्य भी चुने नहीं गए हैं और ना ही स्वीकृत नगरसेवकों का चयन हुआ है ऐसे में नई सत्ता के नए नगरसेवकों के समक्ष जन विरोधी मुद्दे क्या पास हो जाएंगे। क्योंकि भाजपा-शिवसेना के मनमुटाव का खामियाजा शहर को भुगतना पड़ेगा।

उल्हासनगर मनपा सचिव अनंत जवादवार ने आगामी आम सभा का एजेंडा निकाला है जिसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नए पानी दरों के लागू करने का प्रस्ताव, मनपा क्षेत्र में जिन संपत्तियों का पुनर्निर्माण हो चुका है नया नए निर्माण किए गए हैं तथा जिन संपत्तियों में अतिरिक्त अवैध निर्माण पाया गया है उन संपत्तियों के वार्षिक शुल्क और कर निर्धारण में सुधार लाने का प्रस्ताव है साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु कर विभाग द्वारा नागरिकों को प्रदान की

जाने वाली विभिन्न सेवाओं के शुल्क में वृद्धि संबंधित भी प्रस्ताव है।

ज्ञात हो कि महायुति की पहली सभा शुक्रवार, 20 फरवरी को दोपहर 3 बजे रखी गई है. पहली ही विशेष आम सभा में मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले पानी के चार्ज में बढ़ोतरी का प्रस्ताव लाईं। RCC कंस्ट्रक्शन के लिए सालाना पानी के चार्ज में 3600 रुपये से 8000 रुपये की बढ़ोतरी का सुझाव दिया गया है। पतरे के घरों के लिए पानी का चार्ज 1800 रुपये से बढ़ाकर 6500 रुपये करने का सुझाव दिया गया है, जबकि झोपड़ी और लफाटे के घर के लिए पानी का चार्ज 1200 रुपये बढ़ाने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा, प्रॉपर्टी रिकंस्ट्रक्शन, एडिशनल कंस्ट्रक्शन और दूसरे सिविक सर्विस चार्ज में भी बड़ी बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। इस टैरिफ बढ़ोतरी से महानगर पालिका को हर साल 90 करोड़ 83 लाख रुपये की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है।

अमृत योजना के तहत महानगरपालिका पर पानी और अंडरग्राउंड सीवरेज स्कीम, बिजली बिल और पानी डिस्ट्रीब्यूशन मेंटेनेंस के 30 परसेंट हिस्से के लिए सालाना 258 करोड़ रुपये बकाया हैं। साथ ही, महानगरपालिका को MIDC से खरीदे गए पानी के बिल का 960 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बकाया देना है।

कहा जा रहा है कि इसी आर्थिक हालत को रिकवर करने के लिए प्रशासन ने टैरिफ बढ़ाने का सुझाव दिया है। उल्हासनगर शहर से हर साल उल्हास नदी बहने के बावजूद, मनपा ने अब तक अपना पानी का स्त्रोत नहीं बनाया है। मनपा का 202 करोड़ रुपये का अपना पानी का स्त्रोत का एजेंडा सरकार के पास अटक गया है। इस वजह से मनपा को हर साल MIDC से 46 करोड़ रुपये का पानी खरीदना पड़ता है, जिसका बोझ अब आम लोगों पर पड़ने की संभावना है।

भाजपा व शिवसेना के लिए यह पहली आम सभा के विषय झटके देने वाले साबित हो रहे हैं। 78 नगरसेवक क्या इस जनविरोधी प्रस्ताव को पारित करेंगे। क्योंकि नई सत्ता ने शहर में अभी तक मूलभूत सुविधाओं के लिए केवल बैठकें ही की है और अब तक कोई भी रिजल्ट देखने को नहीं मिल रही है जबकि कालानी ने कहा था कि वो 6 माह में शहर में बदलाव करेंगे अगर इसी स्पीड से कार्य करेंगे तो 6 वर्षों तक कोई बदलाव देखने को नहीं मिलेगा।

अंबरनाथ महाशिवरात्रि में आई 14 वर्षीय श्रेया लापता

■ 3 दिनों से पुलिस तलाश रही

■ श्रेया का अपहरण हुआ?

अंबरनाथ. अंबरनाथ शिवमंदिर की यात्रा में दर्शन के लिए 14 वर्षीय लड़की श्रेया निषाद के लापता होने की सनसनीखेज घटना सामने आई है. बुधवार को 3 दिन होने के बाद भी श्रेया का पता नहीं लग रहा है. कल्याण रेलवे पुलिस में लड़की के गुम होने की शिकायत दर्ज की गई है.

रेलवे पुलिस और स्थानीय पुलिस सीसीटीवी से मामले की जांच करते हुए लड़की की तलाश कर रहे हैं.

मिली जानकारी के अनुसार एवं उल्हासनगर-5 निवासी प्रदीप निषाद ने हमें बताया कि वसई में रहने वाले शशिकपूर निषाद 15 फरवरी को लड़की श्रेया के साथ अंबरनाथ शिवमंदिर में दर्शन के लिए आ रहे थे. कल्याण स्थानक से बदलापुर लोकल पकड़ते हुए भीड़ ज्यादा होने से श्रेया लेडीज डिब्बे में चढ़ गई, लेकिन शशिकपूर लोकल नहीं पकड़ सके. शशिकपूर ने तुरंत अंबरनाथ लोकल पकड़कर अंबरनाथ आए. उन्होंने प्लेटफार्म, टिकट घर, मंदिर को जाने वाले मार्ग पर ढूंढा, लेकिन श्रेया उन्हें नहीं मिली. उन्होंने उसी दिन कल्याण रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई. रेलवे पुलिस ने कल्याण और अंबरनाथ स्टेशन एवं मंदिर को जाने वाले रास्तों पर के सीसीटीवी खंगालने पर उन्हें दिखाई दिया कि श्रेया अंबरनाथ स्टेशन पर उतरी, वह शिवमंदिर के मुख्य गेट के पास तक दिखाई दी. उसके साथ एक महिला (शक है कि ये किन्नर भी हो सकता है) दिखाई दी है, जिसे शशिकपूर पहचानते नहीं है. श्रेया का अपहरण हुआ है, ऐसा शक उसके परिजनों ने जाहिर किया है. रेलवे और स्थानीय पुलिस श्रेया की तलाश कर रही है. तीन दिन हो गए हैं, उसका पता नहीं चल रहा है. श्रेया के बारे में किसी को जानकारी मिले तो 8862083663 पर संपर्क करने की अपील प्रदीप निषाद ने की है.

आधी रात को घर पर गिरा पेड़

उल्हासनगर. तड़के करीब 2 बजे कैंप नंबर 5 के दुगादेवी मंदिर इलाके के नेहरूनगर गार्डन में एक बड़ा पेड़ सीधे एक घर पर गिर गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन घर को काफी नुकसान हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, इलाके में एक परिवार के घर पर अचानक एक पेड़ गिर गया। पेड़ गिरने पर हुई तेज आवाज से परिवार के लोग जाग गए। छत, दीवारों के साथ-साथ घर में रखा फर्नीचर और दूसरा सामान भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ पलों के लिए इलाके में डर का माहौल बन गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने नुकसान के लिए तुरंत मुआवजे की मांग की है और इलाके में खतरनाक और पुराने पेड़ों की तुरंत जांच और सही तरीके से छंटाई की मांग की है।

स्कूल बस-वैन ड्राइवरों का अल्कोहल टेस्ट

उल्हासनगर. स्टूडेंट्स की सेफ्टी से कोई कॉम्प्रोमाइज़ नहीं करने का मैसेज देते हुए, उल्हासनगर शहर यातायात विभाग ने बुधवार (18 तारीख) को स्कूल बस और वैन ड्राइवरों पर इंस्पेक्शन कैंपेन चलाया। स्कूली बच्चों की जान से खिलवाड़ रोकने के लिए, ट्रैफिक पुलिस ने डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई करके और ड्राइवरों का अल्कोहल टेस्ट करके अवेयरनेस की मिसाल पेश की है।

शहर यातायात विभाग ने उल्हासनगर में स्कूली स्टूडेंट्स के सेफ सफर के लिए एक स्पेशल इंस्पेक्शन कैंपेन चलाया है। यह एक्शन सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेश शिरसाठ के गाइडेंस में लिया गया। इस कैंपेन में स्कूल बसों और

वैन के डॉक्यूमेंट्स, गाड़ियों की टेक्निकल कंडीशन, फिटनेस सर्टिफिकेट, इंश्योरेंस, लाइसेंस चेक किए गए। साथ ही, ड्राइवरों का अल्कोहल टेस्ट भी किया गया ताकि यह पक्का हो सके कि वे शराब पीकर गाड़ी नहीं चला रहे हैं।

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के इस अचानक इंस्पेक्शन से कई ड्राइवरों में हड़कंप मच गया। कुछ ड्राइवरों को रूल्स फॉलो करने की हिदायत दी गई, जबकि छोटी-मोटी गलतियों वाली गाड़ियों पर एक्शन लिया गया। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेश शिरसाठ ने साफ चेतावनी दी कि स्टूडेंट्स की सेफ्टी को खतरे में डालने वाली कोई भी चीज़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस ऑपरेशन में असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर पंढरीनाथ काले, संतोष भोईर, संजय बेंद्रे, जितेंद्र चिट्टे, मनोज काले, नाना आव्हाड, भरत खांडेकर और रंजीत खोत ने एक्टिवली हिस्सा लिया। यह कैंपेन स्कूलों के आस-पास और शहर की मेन सड़कों पर चलाया गया। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने यह भी साफ किया है कि स्टूडेंट्स की सेफ्टी को प्रायोरिटी देते हुए भविष्य में भी ऐसे चेकिंग रेगुलर किए जाएंगे और नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

स्टूडेंट की सेफ्टी के लिए नियमों का पालन

स्कूल बसों और वैन में सफर करने वाले हर स्टूडेंट की सेफ्टी के लिए नियमों का सख्ती से पालन करना ज़रूरी है। शराब पीकर गाड़ी चलाना या बिना ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स के पैसेंजर्स को ले जाना बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ऐसे चेकिंग रेगुलर करेगा और नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। हम पेरेंट्स से अपील करते हैं कि वे अवेयर रहें और सेफ्टी से कॉम्प्रोमाइज़ न करें।

– **राजेश शिरसाठ**, सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर, ट्रैफिक डिपार्टमेंट

अंबरनाथ में फिर केमिकल गैस फैली

■ पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड गंभीर नहीं

■ विधायक शिकायत करते-करते थक गए

अंबरनाथ. यहां मोरीवली MIDC में केमिकल कंपनियों से सीधे हवा में छोड़ी जा रही ज़हरीली गैस से शहर के पूर्वी हिस्से के लोग सचमुच परेशान हैं। ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को इस सब की कोई जानकारी नहीं है। स्थानीय विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने भी इस ज़हरीली गैस के बारे में कई शिकायतें की हैं। लेकिन, महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने उनकी शिकायत को भी गंभीरता से नहीं लिया है।

अंबरनाथ शहर चारों तरफ से MIDC से घिरा हुआ है। भले ही इसमें केमिकल फैक्ट्रियां पॉल्यूशन फैला रही हैं, लेकिन पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट बॉडी, पुलिस जैसी कोई भी सरकारी एजेंसी इसके खिलाफ कोई ठोस कदम उठाती नहीं दिख रही है। लगता है पॉल्यूशन फैलाने वाली केमिकल फैक्ट्रियों को खुली छूट दी गई है। चूंकि कंपनी से ज़हरीली गैस और केमिकल वेस्ट खुलेआम एटमॉस्फियर में सीधे छोड़ा जा रहा है, इसलिए शक है कि कहीं न कहीं करप्शन पनप रहा है।

शहर के पश्चिम में मौजूद मोरीवली MIDC में केमिकल कंपनियां खुलेआम खतरनाक केमिकल सीधे खुली हवा में छोड़ रही हैं। अगर कोई शिकायत करता है, तो वे इसे उतने समय के लिए बंद कर देंगे और फिर स्थिति सामान्य हो जाएगी। इस वजह से आसपास के शहरी इलाकों में नागरिकों को सांस की समस्या हो गई है। इस वजह से यहां के नागरिक बहुत गुस्सा दिखा रहे हैं। इसके बावजूद, स्थानीय प्रशासन की ओर से इस मुद्दे पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है.

एक दूसरे पर उंगली उठा रहे अधिकारी

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, कल्याण के डिवीजनल ऑफिसर जयवंत हजारे से जब मोरीवली MIDC में केमिकल कंपनियों द्वारा हवा में जहरीली गैस छोड़ने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि वहां एक अधिकारी नियुक्त किया गया है, आप उनसे पूछिए। सवाल यह उठ रहा है कि क्या सरकार ऐसी गैरजिम्मेदारी के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराएगी या वे भी इस पर आंखें मूंद लेंगे।

टेम्पो में जानवरों का गैर-कानूनी ट्रांसपोर्टेशन

उल्हासनगर. गोरक्षक मनोज और उनकी टीम ने कैंप नंबर 1, धोबी घाट नाका से एक ऐसे व्यक्ति को पकड़ा जो गैर-कानूनी तरीके से नकली रसीद पर 11 भैंसों को टेम्पो में ले जा रहा था। भैंसों से भरे टेम्पो को उल्हासनगर पुलिस को सौंप दिया गया। इस घटना में पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही थी।

उल्हासनगर में बुद्ध विहारों का चौथा नेशनल कन्वेंशन

उल्हासनगर. बुद्ध विहार कोऑर्डिनेशन कमेटी ने 28 फरवरी से 1 मार्च तक उल्हासनगर कैंप नंबर 3 के टाउन हॉल में बुद्ध विहारों का चौथा नेशनल कन्वेंशन ऑर्गनाइज़ किया। नेशनल प्रेसिडेंट अशोक सरस्वती ने बताया कि कन्वेंशन में देश भर से बौद्ध भिक्षु और बुद्धिजीवी मौजूद रहेंगे। यह कन्वेंशन डॉ. भदंत उपगुप्त महास्थवीर की अध्यक्षता में होगा।

अंबरनाथ में CCTV लगाने की मांग

■ नगरसेवक ने पुलिस उपायुक्त को दिया निवेदन

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में कायदा व सुव्यवस्था बरकरार रखने की दृष्टि से एवं शहरवासियों की सुरक्षा, सावधानी के लिए गृह विभाग द्वारा अंबरनाथ नगर परिषद की हद में सीसीटीवी बिठाने के लिए रास्तों की खुदाई की गई है. अनेक जगहों पर भूमिगत केबल, कैमरे के लिए पोल लगाए गए हैं, लेकिन आज कई महिने बीत जाने के बाद भी सीसीटीवी कैमरे बिठाए नहीं गए हैं. शहर के कई सिग्नल पर कैमरे लगाए गए हैं, लेकिन वह अभी तक कार्यरत नहीं होने से कई वाहन चालक सिगनल तोड़कर कानून का उल्लंघन कर रहे हैं. इस गंभीर समस्या को देखते हुए शिवसेना नगरसेवक सुभाष सालुंखे ने इस संबंध में उल्हासनगर जोन-4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे से भेंट कर उनके साथ चर्चा की और इस कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए निवेदन दिया है. पुलिस उपायुक्त गोरे ने संबंधित ठेकेदार को फोन करके कहा है कि कैमरे बिठाने के कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए. अंबरनाथ शहर में अप्रैल तक सीसीटीवी कैमरे बिठा दिए जाएंगे. चर्चा के बाद पुलिस उपायुक्त ने सालुंखे को ऐसा आश्वासन दिया है. अंबरनाथ केबी सड़क के मुख्य सिगनल पर सीसीटीवी लगे हुए कई महिने हो गए हैं, लेकिन ये केवल दिखावे के कैमरे हैं. ये कैमरे कार्यान्वित नहीं होने से कई वाहन चालक सिगनल तोड़कर जा रहे हैं. अगर सीसीटीवी कार्यान्वित हो जाएगा तो वाहन चालकों को डर रहेगा. आशा है कि अप्रैल में ही ये कैमरे भी कार्यान्वित हो जाएंगे.

टू-व्हीलर में आग लगी

अंबरनाथ. यहां के आनंदनगर MIDC इलाके में सोमवार शाम को एक टू-व्हीलर में अचानक आग लग गई और वह पूरी तरह जल गया। यह घटना ग्रीन सिटी इलाके में हुई, और ड्राइवर समय रहते नीचे उतर गया, जिससे कोई जान का नुकसान टल गया।

मिली जानकारी के मुताबिक, जब टू-व्हीलर आनंदनगर MIDC से ग्रीन सिटी की ओर जा रहा था, तो अचानक इंजन से धुआं निकलने लगा। कुछ ही देर में गाड़ी में आग लग गई और आग ने भयंकर रूप ले लिया। इस घटना से इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर फायर डिपार्टमेंट के ऑफिसर भागवत सोनो और उनकी टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। शक है कि आग लगने के बाद टू-व्हीलर ड्राइवर मौके से चला गया। आग लगने का सही कारण अभी साफ नहीं है, और टू-व्हीलर के मालिक का पता लगाने का काम चल रहा है।

KDMC को मिला 1.50 करोड़ का पुरस्कार

कल्याण. पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर केडीएमसी को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। महाराष्ट्र शासन के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित माझी वसुंधरा अभियान 5.0 के तहत वर्ष 2024-25 में केडीएमसी को 'अमृत गट' में 1 करोड़ 50 लाख रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है।

यह अभियान पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि और आकाश जैसे पंचतत्वों पर आधारित है और राज्य की सभी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया जाता है। वर्ष 2024-25 में राज्य की 422 नगर निकायों और 27,895 ग्राम पंचायतों सहित कुल 28,317 स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं ने इस अभियान में भाग लिया था।

अभियान के तहत किए गए कार्यों का मूल्यांकन दो चरणों में किया गया—डेस्कटॉप मूल्यांकन और फील्ड निरीक्षण। स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा दोनों स्तरों पर दिए गए अंकों के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। मूल्यांकन के प्रमुख मानकों में वृक्षारोपण, सौर ऊर्जा का उपयोग, तालाबों का सौंदर्यीकरण, वायु गुणवत्ता की जांच और विभिन्न माध्यमों से नागरिकों में जनजागरूकता फैलाना शामिल था। इन सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन के चलते केडीएमसी को यह सम्मान मिला है।

'एंटीलिया घाट' विवाद और गरमाया

■ पर्यावरणविदों ने विश्व जल दिवस पर विरोध की चेतावनी दी

उल्हासनगर. राज्य सिंचाई विभाग ने शहाड इलाके में उल्हास नदी पर MLA फंड से बने 'एंटीलिया घाट' को अवैध घोषित कर उसे गिराने का आदेश दिया था। लेकिन, एक साल से कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे प्रशासन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, पर्यावरणविदों ने 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' पर नदी में उतरकर और विरोध की चेतावनी देकर संघर्ष तेज करने का फैसला किया है।

भाजपा विधायक कुमार ऐलानी के MLA फंड से लोक निर्माण विभाग के जरिए करीब सात करोड़ रुपये की लागत से उल्हासनगर के शहाड इलाके में उल्हास नदी के किनारे घाट बनाया गया था। गणपति विसर्जन की सुविधाएं; साथ ही, रीजेंसी एंटीलिया हाउसिंग सोसायटी के पिछले हिस्से में नागरिकों के लिए पैदल रास्ता बनाने के मकसद से 2022 में यह काम शुरू किया गया था। लेकिन, सोशल एक्टिविस्ट सरिता खानचंदानी ने इस काम पर गंभीर आपत्ति जताई, उन्होंने उल्हास नदी के किनारे पेड़ों की गैर-कानूनी कटाई, नदी के तल में दखल और पर्यावरण नियमों के उल्लंघन की शिकायत की। शुरुआत में, उन्होंने उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में शिकायत की; लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर, उन्होंने सिंचाई विभाग और ठाणे जिला कलेक्टर से भी मदद मांगी। शिकायतों पर ध्यान देते हुए, राज्य सिंचाई विभाग ने साफ किया कि घाट का निर्माण गैर-कानूनी था और इसे गिराने का आदेश दिया। एक साल बाद भी, इस आदेश पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। एक्टिविस्ट्स ने गुस्सा जताया है कि यह आदेश कागजों पर ही है और प्रशासन ने जानबूझकर इसे नज़रअंदाज़ किया है। इस बैकग्राउंड में, पर्यावरणविद शशिकांत दयामा ने बताया कि 22 मार्च को वर्ल्ड वॉटर डे के मौके पर, उल्हास-वालधुनी सरिता संवर्धन अभियान से जुड़े एक्टिविस्ट नदी के तल में बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे।

नदी न केवल पानी का सोर्स है, बल्कि शहर के इकोलॉजिकल बैलेंस की रीढ़ भी है। डेवलपमेंट के नाम पर नदी के किनारे को पतला किया जा रहा है, जिससे भविष्य में बाढ़ का खतरा पैदा हो रहा है। अगर ऑर्डर के बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया जाता है, तो डेमोक्रेटिक तरीकों से विरोध करना हमारा अधिकार है, शशिकांत दयामा ने बताया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास – लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

बढ़ती महंगाई

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। माना जा रहा है कि मजबूत घरेलू खपत, नीतिगत सुधारों और तेज आर्थिक वृद्धि से यह मुकाम हासिल हुआ है। अब यह दावा किया जा रहा है कि निकट भविष्य में देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लेगा। मगर, आर्थिक विकास के आंकड़ों से जुड़े आकलन के इस पैमाने में क्या महंगाई को कम या स्थिर करने का पहलू भी शामिल किया गया है?

यह सवाल इसलिए अहम है कि एक तरफ विकास की चमकती तस्वीर पेश की जा रही है, तो दूसरी तरफ महंगाई की स्थिति कुछ और ही बयां करती है। सरकार की ओर से पिछले सप्ताह और सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि इस वर्ष की शुरुआत ही महंगाई में बढ़ोतरी के साथ हुई है। देश में थोक महंगाई जनवरी में बढ़कर 1.81 फीसद पर पहुंच गई, जबकि गत वर्ष दिसंबर में यह 0.83 फीसद पर थी।

इसी तरह खुदरा महंगाई पिछले माह बढ़कर 2.75 फीसद हो गई, जिससे खाद्य सामग्री समेत कई जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। गौरतलब है कि महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्य वर्ग पर पड़ता है, क्योंकि उनकी आय का एक बड़ा हिस्सा भोजन, ईंधन और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक वस्तुओं पर खर्च होता है। इस कारण उनके जीवनयापन की लागत बढ़ जाती है, उनकी क्रय शक्ति कम हो जाती है और उन्हें अपने दूसरे खर्चों में कटौती के लिए मजबूर होना पड़ता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, थोक महंगाई में बढ़ोतरी खाद्य एवं गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में मासिक आधार पर वृद्धि के कारण हुई है।

सबसे ज्यादा चिंताजनक है खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ना, क्योंकि इसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ता है। पिछले माह खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई दर 1.55 फीसद रही, जबकि गत वर्ष दिसंबर में इसमें 0.43 फीसद की गिरावट दर्ज की गई थी। इनमें भी सब्जियों की महंगाई दर सबसे ज्यादा 6.78 फीसद पर पहुंच गई है। यानी अब आम आदमी की थाली में सब्जियों की मात्रा कम हो गई है। महंगाई दर में यह उतार-चढ़ाव दर्शाता है कि विकास में स्थिरता और समानता का संतुलन साधने की जरूरत है।

विचार : सरकारों के काम करता सुप्रीम कोर्ट

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने साइबर धोखाधड़ी और विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट के मामलों को डकैती और लूट करार देते हुए केंद्र सरकार को कई निर्देश दिए। उसने गृह मंत्रालय को हाल में तैयार मानक संचालन प्रक्रिया अर्थात स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) लागू करने, सीबीआई को मामलों की पहचान करने और रिजर्व बैंक को संदिग्ध बैंकिंग लेनदेन रोकने के निर्देश दिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल के लिए एक मसौदा तैयार करने को भी कहा।

उसने जब डिजिटल अरेस्ट के एक मामले का स्वतः संज्ञान लेकर ऐसे मामलों की सुनवाई शुरू की थी, तब गृह मंत्रालय ने एक एसओपी का प्रस्ताव रखा था। इसका उद्देश्य विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और जहां संभव हो, ठगी से निकाली गई राशि की समयबद्ध वापसी सुनिश्चित करना था। यह उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही गृह मंत्रालय ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़े सभी पहलुओं की व्यापक जांच के लिए एक उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समिति का गठन किया था।

इसी समिति ने एसओपी का प्रस्ताव तैयार किया। प्रश्न यह है कि गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए जो जतन करने शुरू किए, वे उसकी ओर से समय रहते स्वतः क्यों नहीं किए हुए और वह भी तब जब डिजिटल अरेस्ट के मामले बढ़ते ही चले जा रहे हों?

चूंकि कानून एवं व्यवस्था राज्यों का विषय है, इसलिए साइबर

ठगी रोकने का काम मुख्यतः राज्य सरकारों का ही है, लेकिन केंद्र सरकार बैंकों, टेलीकॉम कंपनियों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों की भूमिका पर तो ध्यान दे ही सकती थी। इस पर गौर करें कि सुप्रीम कोर्ट ने साइबर ठगी के मामले में बैंकों की भूमिका को संदिग्ध पाया और इससे तो सभी परिचित हैं कि डिजिटल अरेस्ट समेत साइबर ठगी के अधिकतर मामलों में वाट्सएप की भूमिका रहती है। साइबर धोखाधड़ी के मामलों की सुनवाई के समय सुप्रीम कोर्ट में यह उल्लेख किया गया कि डिजिटल फ्रॉड के जरिये अब तक 54 हजार करोड़ से भी ज्यादा की रकम हड़पी जा चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार यह रकम कई राज्यों के बजट से भी ज्यादा है। क्या यह विचित्र नहीं कि लोगों की हजारों करोड़ रुपये की गाढ़ी कमाई लूटी जा चुकी है, लेकिन केंद्र सरकार ने अपने स्तर पर इस पर वैसी कार्रवाई करना जरूरी नहीं समझा, जैसी अब वह शीर्ष कोर्ट के निर्देश पर कर रही है? साइबर ठगी पर राज्य सरकारें भी कम लापरवाह नहीं। एक आंकड़ा यह कहता है कि 2021 से 2023 के बीच डिजिटल फ्रॉड की 48 लाख शिकायतों के मुकाबले केवल दो लाख एफआईआर दर्ज हुईं। यह स्थिति यही बताती है कि पुलिस साइबर ठगी की रोकथाम के लिए तत्पर नहीं। हैरानी नहीं कि इससे साइबर अपराधियों का दुस्साहस बढ़ रहा है। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि आम तौर पर हड़पी गई राशि लोगों को वापस नहीं मिल पाती, क्योंकि पुलिस की इसमें दिलचस्पी नहीं होती।

निःसंदेह बेलगाम होती साइबर ठगी पर ही सुप्रीम कोर्ट सरकारों के हिस्से का काम करने के लिए सक्रिय नहीं हुआ। ऐसे न जाने कितने मामले हैं, जो सरकारों को करने चाहिए, लेकिन उनमें सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ता है। हाल में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को छह महीने के भीतर सड़क सुरक्षा से जुड़े उपायों को सशक्त करने के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया, ताकि गैर-मोटर चालित वाहन और पैदल चलने वालों की गतिविधियों को नियमित किया जा सके और हादसे रोके जा सकें। उसने राष्ट्रीय राजमार्गों के अलावा अन्य सड़कों के रखरखाव के लिए मानक निर्धारित करने का भी निर्देश दिया, ताकि सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो और पैदल यात्रियों को सुरक्षित आवागमन मिले।

इसके अलावा शीर्ष अदालत ने गलत लेन में गाड़ी चलाने और कारों पर अनधिकृत हूटर बजाने जैसे सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों पर भी कठोर नियम बनाने को कहा। क्या ये ऐसे काम हैं, जिनसे केंद्र अथवा राज्य सरकारें अनभिज्ञ हों? एक ऐसे समय जब भारत में मार्ग दुर्घटनाओं में मरने और घायल होने वालों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही हो, तब सरकारों को सड़क हादसे रोकने के लिए स्वतः सक्रिय होना चाहिए, लेकिन सच यह है कि ऐसा नहीं हो रहा है।

जब हमारे विचार प्रभु के दिव्य प्रेम से भर जाते हैं, तो हमारे वचन और कार्य भी मीठे और प्रेमपूर्ण हो जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

खाने की कीमत पूरी लेकिन थाली में भरोसे की कमी,

भारतीय रेलवे के बारे में अक्सर यह दावा किया जाता है कि इसके समग्र संचालन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा के समकक्ष बनाया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हादसों, सफर के दौरान निर्धारित समय पर गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने से लेकर ट्रेन के भीतर साफ-सफाई और खानपान के मामले में कई बार स्थिति बेहद दयनीय और खराब दिखती है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन ट्रेनों को विशेष सुविधा वाला बताया जाता है, उनमें परोसा गया भोजन भी अक्सर खराब निकल जाता है और यात्री ठगे-से रह जाते हैं। खबरों के मुताबिक, हर रोज पैंतीस से ज्यादा लोग रेलवे के खराब खाने को लेकर शिकायत करते हैं।

खाने में तिलचट्टा, दूसरे कीड़ों या अखाद्य वस्तुओं के मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। साथ ही, भोजन की मात्रा और तय कीमतों से ज्यादा राशि वसूलने की समस्या भी आम देखी जा सकती है। सवाल है कि अगर उच्च गुणवत्ता और सेवा का दावा करके खाने-पीने के मामले में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, तो उसे कैसे देखा जाएगा।

सफर के दौरान यात्री थोड़ी सुविधा के लिए ट्रेन में मिलने वाला खाना पैसा चुका कर लेना चाहते हैं। कई ट्रेनों में

सफर के दौरान टिकट के साथ खाने-पीने के सामान के लिए राशि चुकाने का भी विकल्प है। मगर विडंबना यह है कि पूरी कीमत चुकाने के बावजूद कई लोगों की थाली में ऐसा खाना होता है, जिसे खाया नहीं जा सकता।

ट्रेनों में मिलने वाले खराब खाने को लेकर आए दिन शिकायतें आती रहती हैं और कई बार विवाद भी होते हैं। ऐसी खबरें भी सामने आई, जिनमें भोजन के खराब होने पर आपत्ति जताने पर ट्रेन में मौजूद कर्मियों ने यात्री से दुर्व्यवहार किया।

खुद सरकार ने पिछले वर्ष जुलाई में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6,645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19,174 शिकायतें मिलीं। ऐसे भी मामले होंगे, जिनमें किसी यात्री को खराब भोजन मिला, लेकिन उसने औपचारिक शिकायत नहीं की।

हालांकि रेल महकमे में कहने को एक ढांचा है, जिसके तहत गुणवत्ता में सुधार के लिए डिजाइन किए गए रसोई से खाना बनवाने और ट्रेनों तक पहुंचाने से लेकर खाना बनाने पर निगरानी, खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक की तैनाती और अच्छी सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने का दावा किया जाता है।

इसके अलावा, अगर खाने में अस्वच्छता या मिलावट पाई जाती है, खाना खराब हो, तो यात्री शिकायत करते हैं। कई मामलों में कार्रवाई भी होती है, जिसमें जुर्माना लगाना, अनुशासनात्मक कार्रवाई, काउंसलिंग करना और चेतावनी देना शामिल है।

खराब खाने की शिकायत के बाद भोजन की आपूर्ति करने वालों पर जुर्माना लगाने की खबरें आती हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर सब पहले की तरह चलता रहता है। सवाल है कि रेल मंत्रालय इसमें सुधार को लेकर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाता कि ट्रेन में मिलने वाले भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर यात्री पूरी तरह आश्वस्त रहें।

अगर रेलवे के लिए अपने तंत्र के तहत स्वच्छ भोजन मुहैया कराना संभव नहीं है, तो ट्रेनों में खाना देने का ठेका अलग-अलग कंपनियों को देने और उसमें बेहतर गुणवत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा की व्यवस्था बनाने की कोशिश क्यों नहीं की जाती?

ट्रैक्टर के पीछे के पहिए बड़े ही क्यों होते हैं?

जरा हट के

सोचिए सुबह से शाम तक हमारी आंखें अनगिनत चीजें देखती हैं. अलग-अलग लोग, मशीनें और वाहन जैसे मेट्रो, कार, ट्रेन, बस और बाइक, इन्हीं में से एक वाहन ट्रैक्टर भी है, जिसे आपने जरूर देखा होगा.

गांवों में रहने वालों के लिए तो ट्रैक्टर रोजमर्रा का हिस्सा है, और कई लोग खुद इसे चलाते भी हैं. लेकिन क्या आपने कभी ध्यान दिया कि ट्रैक्टर के पीछे के दो पहिए बड़े होते हैं? शायद बहुत कम लोगों ने इस बात पर गौर किया होगा. अगर आपको इसका कारण नहीं पता, तो आइए इसके पीछे की वजह समझते हैं.

> गांवों में रहने वालों के लिए तो ट्रैक्टर रोजमर्रा का हिस्सा है, और कई लोग खुद इसे चलाते भी हैं. लेकिन क्या आपने कभी ध्यान दिया कि ट्रैक्टर के पीछे के दो पहिए

ट्रैक्टर के पीछे के पहिए बड़े क्यों होते हैं?

दरअसल, बड़े पहिए ट्रैक्टर की ताकत और वजन को सही तरीके से संतुलित करने में मदद करते हैं. ये ट्रैक्टर को स्थिरता देते हैं, जिससे वह भारी काम आसानी से कर पाता है. खेतों में अक्सर कीचड़ और ऊबड़-खाबड़ जमीन होती है, इसलिए बड़े टायर बेहतर पकड़ देते हैं और ट्रैक्टर को मिट्टी में धंसने से बचाते हैं. साथ ही, आगे-पीछे के पहियों का आकार अलग होने से ट्रैक्टर का मोड़ लेना भी आसान हो जाता है.

इसके पीछे और भी फायदे होते हैं

ट्रैक्टर के आगे के पहिए छोटे और पीछे के बड़े होने से ड्राइवर की सीट ऊंची हो जाती है, जिससे उसे खेत का साफ दृश्य मिलता है और काम करना आसान होता है. इसके अलावा बड़े पीछे के पहिए वजन को संतुलित रखते हैं और भारी सामान या उपकरण खींचने में मदद करते हैं. यही वजह है कि ट्रैक्टर के पीछे के पहिए बड़े बनाए जाते हैं.

स्पंजी ढोकला

खाना-खजाना

सामग्री

- बेसनः 1.5 कप
- दहीः आधा कप
- सूजीः 1 बड़ा चम्मच
- अदरक-मिर्च का पेस्टः 1 चम्मच
- हल्दीः बस एक चुटकी
- फ्रूट साल्टः 1 पैकेट
- तड़के के लिएः राई, हरी मिर्च, कढ़ी पत्ता और चीनी।

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में बेसन और सूजी को छान लें। अब इसमें दही, अदरक-मिर्च का पेस्ट, नमक और चुटकी भर हल्दी डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए एक ऐसा घोल तैयार करें जो न बहुत गाढ़ा हो और न ही बहुत पतला। इस घोल को 10 मिनट के लिए आराम करने दें- यही वह समय है जब बेसन पानी सोखकर सेट होता है।

अब बारी आती है असली ट्रिक की। स्टीमर या कढ़ाई में पानी गर्म होने के लिए रखें। जब पानी उबलने लगे, तब बेसन के घोल में इनो डालें और उस पर एक चम्मच पानी छिड़कें। इसे एक ही दिशा में तेजी से फेंटें। आप देखेंगे कि घोल फूलकर दोगुना हो गया है। तुरंत इसे तेल लगी हुई थाली में पलट दें और 15-18 मिनट के लिए भाप में पकने दें।

ढोकला तो बन गया, लेकिन इसे 'जूसी' बनाने का राज तड़के में छिपा है। एक छोटे पैन में तेल गर्म करें, उसमें राई, कढ़ी पत्ता और लंबी कटी हरी मिर्च डालें। जब तड़का चटकने लगे, तो इसमें आधा कप पानी, थोड़ी चीनी और नींबू का रस डाल दें। इस पानी को एक उबाल आने तक पकाएं।

जब ढोकला थोड़ा ठंडा हो जाए, तो उसे मनचाहे टुकड़ों में काट लें और ऊपर से गरम-गरम तड़के वाला पानी फैला दें। यह पानी ढोकले की जालियों के अंदर तक जाएगा, जिससे वह एकदम रसीला और मुलायम बन जाएगा।

ध्यान रहे, ढोकले को हमेशा ठंडा होने के बाद ही काटें, वरना वह टूट सकता है। ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया और कद्दूकस किया हुआ नारियल छिड़कना न भूलें।

कॉर्नफ्लेक्स : जो कभी मरीजों को दिया जाता था, बना पसंदीदा नाश्ता

> क्या आप जानते हैं कि आज दुनियाभर में ब्रेकफास्ट टेबल की शान बढ़ाने वाला 'कॉर्नफ्लेक्स' दरअसल किसी शेफ ने नहीं, बल्कि एक अस्पताल में मरीजों के लिए बनाया गया था? इसकी कहानी अमेरिका के मिशिगन से शुरू होती है, जहां दो भाइयों- डॉ. जॉन हार्वे कैलॉग और उनके छोटे भाई विल कीथ कैलॉग ने अनजाने में ही इतिहास रच दिया।

मरीजों के लिए सादे खाने की तलाश

यह किस्सा हेल्थ रिफॉर्म के दौर का है। जॉन हार्वे कैलॉग पेशे से डॉक्टर थे और एक चर्च द्वारा संचालित अस्पताल के प्रमुख थे। उनका मानना था कि सेहत ही सबकुछ है, इसलिए वे शराब, तंबाकू, चाय, कॉफी और तीखे मसालों के सख्त खिलाफ थे। अस्पताल में मरीजों को बिल्कुल सादा, शाकाहारी और बिना मसाले वाला भोजन दिया जाता था। यहां तक कि अंडे और डेयरी का इस्तेमाल भी बहुत कम करने की सलाह दी जाती थी।

जब प्रयोग के दौरान हुई एक 'गलती'

सख्त डाइट के कारण मरीज अक्सर खाने से ऊब जाते थे। इसी समस्या को सुलझाने के लिए 1894 में जॉन, उनकी पत्नी एला और भाई विल ने अनाज पर प्रयोग करना शुरू किया। इसी दौरान उबले हुए गेहूं के साथ प्रयोग करते वक्त उनसे एक 'गलती' हुई और गेहूं के पतले-पतले फ्लेक्स बन गए। इसे 'ग्रेनोस' नाम दिया गया और इसे ही दुनिया का पहला 'फ्लेक्ड सीरियल' माना जाता है। बाद में 1898 में टोस्टेड मक्का से कॉर्नफ्लेक्स तैयार किए गए और 1902 तक इसे बाजार में बेचने के लिए तैयार कर लिया गया।

दो भाइयों के बीच 'चीनी' पर छिड़ा विवाद

जैसे-जैसे कॉर्नफ्लेक्स मशहूर हुआ, दोनों भाइयों के विचारों में टकराव आने लगा। डॉ. जॉन इसे सिर्फ एक हेल्थ प्रोडक्ट रखना चाहते थे और इसमें चीनी मिलाने के सख्त खिलाफ थे, क्योंकि वे स्वास्थ्य को आध्यात्मिक शुद्धता से जोड़कर देखते थे। दूसरी तरफ, विल को इसमें बड़ा बाजार और मुनाफा दिख रहा था। उनका मानना था कि थोड़ा स्वाद बढ़ाना जरूरी है।

कारोबार, कोर्ट और 'केलॉग्स' का जन्म

जब मतभेद बहुत बढ़ गए, तो 19 फरवरी 1906 को विल ने अलग होकर 'बैटल क्रीक टोस्टेड कॉर्न फ्लेक कंपनी' शुरू की। उन्होंने फ्लेक्स में हल्की चीनी मिलाई, बेहतरीन पैकेजिंग की और जमकर विज्ञापन किया। इसका नतीजा यह हुआ कि न्यूयॉर्क में बिक्री 15 गुना बढ़ गई। दोनों भाइयों के बीच 'कैलॉग' नाम के इस्तेमाल को लेकर कोर्ट में लड़ाई भी हुई, लेकिन 1911 में जीत विल की हुई। 1922 में कंपनी का नाम बदलकर 'केलॉग्स' रख दिया गया।

विल कीथ कैलॉग न केवल एक सफल व्यवसायी थे, बल्कि कर्मचारियों का भी ख्याल रखते थे। वे उन शुरुआती उद्योगपतियों में से थे जिन्होंने कर्मचारियों के लिए 8 घंटे के बजाय 6 घंटे की शिफ्ट लागू की थी। इस तरह एक अस्पताल से शुरू हुआ यह सफर आज एक ग्लोबल ब्रांड बन चुका है।

आज का राशिफल

मेष : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कुसंगति व जल्दबाजी से बचें। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च की अधिकता से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ : कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी। सामाजिक कार्यों में सीमित रहना चाहिए। समय का सदुपयोग होगा। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

मिथुन : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें। विरोधियों एवं शत्रुओं के कारण अशांति होगी। नवीन कार्ययोजना की बातचीत में सफ़लता मिलने के संयोग बनेंगे।

कर्क : स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएँगे। स्थायी संपत्ति क्रय करने में जल्दबाजी न करें। साहस, पराक्रम में वृद्धि होगी। अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें।

सिंह : मेहनत अधिक होगी। बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार, नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी। बुद्धि, विवेक से कार्य करने पर विघ्न-बाधाएँ दूर हो सकेंगी। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कन्या : मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी। आर्थिक समस्याओं का निराकरण संभव है। व्यापार, कारोबार में नई जवाबदारी बढ़ेगी। धर्म में रुचि रहेगी।

तुला : पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छे समाचार मिलेंगे। विवाद से बचें। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शांति का अनुभव होगा। व्यापार-व्यवसाय में अनुकूल अवसर प्राप्त होंगे। कानूनी कार्रवाई, कोर्ट-कचहरी के मामलों से दूर रहना चाहिए।

वृश्चिक : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। प्रसिद्ध व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा। मकान, वाहन के क्रय-विक्रय की चर्चा संभव है। संतान की प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा। रुका पैसा प्राप्त होगा।

धनु : अप्रत्याशित खर्च होंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति से ऋण की समस्या उभरेगी। चापलूसों से सावधान रहें। लेन-देन में सावधानी रखें। अनिर्णय की परिस्थिति से दूर रहना चाहिए।

मकर : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति होगी। व्यापार में नई योजनाओं का श्रीगणेश संभव है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

कुंभ : कार्यस्थल पर सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी। धनार्जन होगा। आर्थिक क्षेत्र में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। समाज, परिवार में आपकी सलाह को महत्व मिलेगा। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में मतभेद खत्म होंगे।

मीन : पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। अपनी भावनाओं को संयमित रखकर कार्य करें। भागीदारी के कार्यों में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

क्या अच्छे कपड़े मूड बदल देते हैं?

> क्या आपने कभी महसूस किया है कि जब आप अपने पसंदीदा कपड़े पहनते हैं, तो अचानक आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है? या फिर किसी ढीले-ढाले पायजामे में आप खुद को सुस्त महसूस करने लगते हैं? अगर हां, यह सिर्फ आपकी कल्पना नहीं है। दरअसल, हम जो भी पहनते हैं, उसका सीधा असर हमारे सोचने के तरीके, भावनाओं और व्यवहार पर पड़ता है। इसे एनक्लोथ्ड कॉग्निशन कहा जाता है। आइए समझते हैं इसके बारे में।

कपड़े और दिमाग का क्या है कनेक्शन?

हमारा दिमाग कपड़ों को केवल शरीर ढकने की चीज नहीं मानता, बल्कि उन्हें एक प्रतीक के रूप में देखता है। जब हम कोई खास आउटफिट पहनते हैं, तो हमारा दिमाग उससे जुड़े गुणों को अपना लेता है, जैसे-

आत्मविश्वास और पावर- शोध बताते हैं कि जब लोग फॉर्मल कपड़े, जैसे- सूट या ब्लेजर पहनते हैं, तो वे ज्यादा पावरफुल महसूस करते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता बेहतर होती है और वे बड़े फैसले लेने में ज्यादा सक्षम महसूस करते हैं।

फोकस- साइंस डायरेक्ट जर्नल में पब्लिश हुई एक स्टडी में देखा गया कि जब लोगों को सफेद कोट पहनाकर बताया गया कि यह एक डॉक्टर का कोट है, तो उनके काम करने की सटीकता और फोकस बढ़ गया। वहीं, जब उन्हीं लोगों को बताया गया कि यह एक पेंटर का कोट है, तो उनके फोकस में वैसा सुधार नहीं देखा गया।

क्या डोपामिन ड्रेसिंग वाकई काम करती है?

आजकल डोपामिन ड्रेसिंग शब्द काफी चर्चा में है। इसका मतलब है ऐसे कपड़े पहनना जो आपके मूड को अच्छा बना दें और आपके दिमाग में फील-गुड हार्मोन यानी डोपामिन रिलीज करें।

रंगों का जादू- चटकीले रंग जैसे पीला या गुलाबी अक्सर खुशी और एनर्जी से जुड़े होते हैं। ये रंग न केवल आपको, बल्कि आपके आसपास के लोगों को भी पॉजिटिव महसूस कराते हैं।

आराम और बनावट- सिल्क या नरम ऊन जैसे आरामदायक कपड़े पहनने से सुरक्षा और सुकून का एहसास होता है, जो तनाव को कम करने में मदद करता है।

यादें और कनेक्शन- अक्सर हम वे कपड़े पहनना पसंद करते हैं जिनसे हमारी कोई अच्छी याद जुड़ी हो। ऐसे कपड़े पहनने से पुरानी खुशी का अनुभव दोबारा होता है।

घर पर आसानी से कैसे करें होंठ को गुलाबी?

गुलाबी और नरम होंठ न केवल आपकी मुस्कान की खूबसूरती बढ़ाते हैं, बल्कि यह आपकी अच्छी सेहत की निशानी भी हैं. लेकिन प्रदूषण, सिगरेट का सेवन, खराब गुणवत्ता वाले लिपस्टिक प्रोडक्ट्स और डिहाइड्रेशन के कारण अक्सर होंठ काले और फटने लगते हैं. अगर आप भी काले होंठों की समस्या से परेशान हैं और महंगे लिप बाम से थक चुके हैं, तो रात में सोने से पहले बस यह एक चीज लगा लें. सुबह तक आपके होंठों में फर्क दिखने लगेगा

3 प्रभावी घरेलू उपाय

1. चुकंदर का जूस

चुकंदर में नैचुरल ब्लीचिंग एजेंट होते हैं. सोने से पहले चुकंदर का एक छोटा टुकड़ा अपनी पलकों पर लगाएं. सुबह तक आपकी पलकें गुलाबी चमक उठेंगी.

2. शहद और नींबू

शहद मॉइस्चराइज़ करता है, और नींबू का रस नेचुरल ब्लीच का काम करता है. नींबू के दो स्लाइस को शहद में मिलाकर लगाएं. इससे पलकों से डेड स्किन हट जाएगी, जिससे वे गुलाबी हो जाएंगी.

3. देसी घी

अगर आपके होंठ बहुत काले और फटे हुए हैं, तो देसी घी को अपनी नाभि पर लगाएं और थोड़ा सा पलकों पर रगड़ें. यह एक पुराना आयुर्वेदिक नुस्खा है जो पलकों को अंदर से ठीक करता है.

होंठों को गुलाबी रखने के लिए जरूरी बातें-

-हफ्ते में दो बार चीनी और जैतून के तेल के मिश्रण से होंठों को स्क्रब करें. इससे सूखी और काली त्वचा निकल जाती है.

-दिन भर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं. होंठों का कालापन अक्सर शरीर में पानी की कमी का संकेत होता है.

-सोने से पहले मेकअप को पूरी तरह से हटाना न भूलें.

बाज़ार के केमिकल वाले प्रोडक्ट्स के बजाय नेचुरल चीज़ों पर भरोसा करें. रेगुलर तौर पर इस नाइट क्रीम या चुकंदर के नुस्खे को लगाने से आपके होंठ सिर्फ़ सात दिनों में गुलाब जैसे दिखने लगेंगे.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

तिलक में फायरिंग करने वाला सिपाही गिरफ्तार, बीट के 2 कांस्टेबल भी सस्पेंड

सुलतानपुर. यूपी के सुलतानपुर में थाना क्षेत्र के कर्माजीतपुर गांव में दोस्त के तिलकोत्सव में निमंत्रण करने आए रायबरेली जिले के आबकारी विभाग के सिपाही ने अपने लाइसेंसी असलहे से ताबड़तोड़ फायरिंग किया था। गोली लगने से उसके साथ आया साथी घायल हो गया। घटना के बाद दोनों फरार हो गए। मेडिकल कॉलेज पहुंचकर सिपाही ने प्राथमिक इलाज कराया। इसके बाद दोनों गायब हो गए। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर मोतिगरपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज की। नामजद आबकारी सिपाही सुरेंद्र यादव को देर शाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घटना की जानकारी न होने पर बीट के दो सिपाहियों को एसपी ने निलंबित कर दिया।

बुजुर्ग दंपति ने जहर खाकर दी जान

बाराबंकी. रामसनेहीघाट क्षेत्र के सधवापुर गांव में मंगलवार की शाम एक बुजुर्ग दंपति ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सधवापुर गांव के निवासी गणेश (65) और उनकी पत्नी कलावती (60) गांव के ही अपने पुराने पुश्तैनी मकान में रहते थे। गांव वालों के अनुसार, यह दंपति बेहद सादा जीवन व्यतीत करता था। जीवन के अंतिम दौर में भी गणेश ने हार नहीं मानी थी और वे मेहनत-मजदूरी व अपनी थोड़ी सी खेती के सहारे अपना और अपनी पत्नी का गुजर-बसर कर रहे थे। वहीं, उनका इकलौता बेटा पवन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ उसी गांव में दूसरी जगह बने प्रधानमंत्री आवास में अलग रहता था। घर के इस बंटवारे और दूरियों ने शायद बुजुर्गों के मन में कोई ऐसी फांस पैदा कर दी थी, जिसका अंत इतना भयावह होगा, किसी ने सोचा न था।

मोबाइल चेक करने पर युवती ने की आत्महत्या

सद्दरपुर (अम्बेडकरनगर). एक प्रेमी की छोटी सी शंका और मोबाइल चेक करने की सनक ने एक 18 वर्षीय युवती को मौत के गले लगाने पर मजबूर कर दिया। बिहरा गांव में हुई इस घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मचा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन युवकों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया है और दो आरोपियों को अपनी कस्टडी में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, मखदूम नगर निवासी संतोष कुमार वर्तमान में बिहरा गांव में अपने परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार को घर के अधिकांश सदस्य रिश्तेदारी या काम के सिलसिले में बाहर गए हुए थे।

राज्यसभा को मिलेंगे 37 नए सांसद

- 16 मार्च को चुनाव
- इन राज्यों में खाली हो रही हैं सीटें

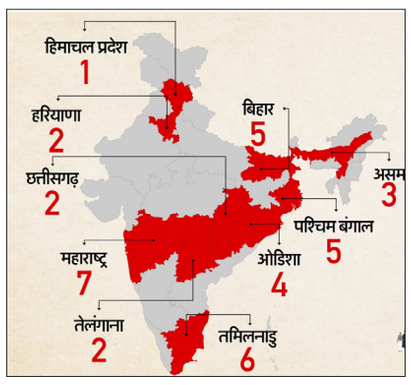

नई दिल्ली. राज्यसभा चुनावों के लिए तारीख की घोषणा हो गई है। चुनाव आयोग ने बताया है कि 10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव 16 मार्च को होंगे। आयोग ने सोमवार को यह जानकारी दी है। बता दें कि आगामी अप्रैल महीने में महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और बिहार में राज्यसभा की सीटें खाली हो रहीं हैं।

चुनाव आयोग ने मतदान के तारीखों की घोषणा करते हुए बताया है कि राज्यसभा चुनावों के लिए 26 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी होगा। इसके साथ ही चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नामांकन की आखिरी तारीख 5 मार्च है, जिसके बाद 6 मार्च को स्क्रूटनी होगी। वहीं उम्मीदवार 9 मार्च तक अपना नॉमिनेशन वापस ले सकते हैं। मतदान 16 मार्च को होगा और वोटों की गिनती उसी दिन शाम 5 बजे से शुरू होगी। आयोग ने बताया है कि चुनाव का प्रोसेस 20 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा।

कैसे होता है चुनाव !

गौरतलब है कि देश में राज्यसभा सदस्यों की कुल संख्या 245 है। इनमें से 233 सांसदों का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से होता है, जबकि 12 सदस्यों को राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है। राज्यसभा सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया आम चुनावों से अलग होती है। इसमें जनता सीधे मतदान नहीं करती, बल्कि जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि राज्यसभा सदस्यों का चयन करते हैं।

आयोग ने दिए खास निर्देश

चुनाव आयोग ने चुनाव को लेकर कुछ खास निर्देश दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि बैलेट पेपर पर अपनी पसंद बताने के लिए सिर्फ इंटीग्रेटेड वॉयलेट कलर के स्केच पेन का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आयोग के प्रेस नोट के मुताबिक, "कमीशन ने निर्देश दिया है कि बैलेट पेपर पर अपनी पसंद बताने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा दिए गए पहले से तय स्पेसिफिकेशन वाले इंटीग्रेटेड वॉयलेट कलर के स्केच पेन का ही इस्तेमाल किया जाएगा।"

पंजाब में AAP के सरपंच की गोली मारकर हत्या

फतेहाबाद. पंजाब में एक और आम आदमी पार्टी नेता की हत्या हो गई है। तरनतारन से आम आदमी पार्टी के सरपंच हरपिंदर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात फतेहाबाद क्षेत्र के फार्म हाउस में हुई, जहां सरपंच एक समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। चार हमलावरों ने अचानक सरपंच और उनके चचेरे भाई पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी। गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई और उनके चचेरे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अमृतसर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस वारदात से शादी में चीख-पुकार मच गई। गांव ठट्ठियां महंतां के सरपंच हरपिंदर सिंह चचेरे भाई जर्मनजीत सिंह के साथ फार्म हाउस में शादी समारोह में आए थे।

रिजिजू बोले- राहुल देश की सुरक्षा के लिए खतरा

- उनके नक्सलियों से रिश्ते
- संसद में उनका बर्ताव बचकाना

नई दिल्ली. केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी भारत की सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक इंसान बन गए हैं। वे भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हैं। वे नक्सलियों, उग्रवादियों और जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों से मिलते हैं। रिजिजू ने ये बातें न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहीं।

रिजिजू ने आगे कहा कि संसद में राहुल का बर्ताव बचकाना और गैर-जिम्मेदाराना है। एक लीडर ऑफ अपोजिशन पूरे विपक्ष को रिप्रेजेंट करता है। संसद के बाहर जाकर लोगों को देशद्रोही कहना, ड्रामा वाले सिट-इन करना और एक अनपब्लिश्ड किताब लहराना।

यह सब बच्चों जैसा बर्ताव है। हमने भारत के इतिहास में ऐसा लीडर ऑफ अपोजिशन कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम सिर्फ संसद में हंगामा करना है। कांग्रेस कहती है कि हम उन्हें बोलने नहीं देते। लेकिन जैसे ही वे (राहुल) अंदर आते हैं। हंगामा, बैनर और नारेबाजी शुरू हो जाती है।

कांग्रेस में कभी मैच्योर लीडर हुआ करते थे

कांग्रेस के सीनियर लीडर मणिशंकर अय्यर के इस बयान पर कि 'मैं गांधीवादी, नेहरूवादी, राजीववादी हूं, लेकिन राहुलवादी नहीं हूं।' इस पर रिजिजू ने कहा कांग्रेस के पास कभी मजबूत लीडर हुआ करते थे, जिनकी बातों और काम में मैच्योरिटी थी। धीरे-धीरे कांग्रेस राहुल गांधी जैसी हो गई है और उनके आस-पास रहने वाले लोग भी उनके जैसे हो

राहुल गांधी के समर्थक भी अब उन्हें गंभीरता से क्यों नहीं लेते, क्योंकि राहुल बिना सच के बोलते हैं। अगर प्रधानमंत्री किसी से मिले हैं या अगर कोई डॉक्यूमेंट मौजूद हैं तो उन्हें पेश करें। वे बिना किसी आधार के प्रधानमंत्री का नाम जबर्दस्ती ले रहे हैं।

रिजिजू ने पार्लियामेंट में गांधी के बर्ताव पर भी सवाल उठाया और कहा, राहुल गांधी लोकसभा में बिना मतलब के बोल रहे हैं।

परिवार के सामने ही उठा ले गए किडनैपर्स

- पुणे में भरे बाजार में बड़ी वारदात

पुणे. महाराष्ट्र के पुणे में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवती को उसके परिवार के सामने ही युवक कार में अगवा कर फरार हो गए। किडनैपर्स ने वारदात को अंजाम देने के लिए परिवार पर मिर्च पाउडर फेंक दिया था। खबर है कि आरोपियों की पहचान हो गई है और पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इधर, घटना की जानकारी लगने के बाद हिंदू संगठनों ने भी प्रदर्शन किया।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, घटना मंगलवार शाम की है। उस समय 21 वर्षीय युवती

अपने भाई और मां के साथ इंदापुर तालुका के भिगवान जिले के बाजार से लौट रही थी। भिगवान पुलिस स्टेशन में दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, इनके नाम जहीर हारून शेख और अयान हारून शेख है। दोनों दौंड के रहने वाले हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया है कि महिला दो पहिया वाहन पर अपने परिवार के साथ लौट रही थी। तब एक कार ने उन्हें रोका और परिवार पर कथित तौर पर मिर्च पाउडर डाल दिया। इसके बाद आरोपियों ने महिला को कार में खींच लिया।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

खास बात है कि पुलिस ने बताया है कि आरोपी और पीड़िता दोनों एक ही इलाके में रहते हैं।

एएसपी गणेश बिरादर ने चैनल को बताया है कि घटना शाम 4 बजे की है। आरोपियों ने परिवार के वाहन को रोका, परिवार को पीटा और महिला को अगवा कर ले गए। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंची और जांच की। फिलहाल, आरोपियों और पीड़िता की तलाश जारी है।

संपर्क में थी युवती

रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि युवती और एक आरोपी कई दिनों से संपर्क में थे। अब कॉल रिकॉर्ड और मैसेज की जांच की जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और हिंदू संगठनों ने पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया।

बारात आने में हुई देरी तो लगेगा 5 हजार प्रति घंटा जुर्माना

संभल. उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक पंचायत ने शादी को लेकर 6 कड़े फरमान जारी किए हैं। जनपद की ग्राम पंचायत सैफ खां सराय में किदवई बिरादरी ने शादियों में बढ़ती फिजूलखर्ची पर लगाम कसने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। बिरादरी सदर और ग्राम प्रधान मोहम्मद नदीम की अध्यक्षता में हुई पंचायत में छह कड़े फैसलों पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई। पंचायत का सबसे चर्चित निर्णय यह रहा कि बारात दोपहर 4 बजे तक हर हाल में पहुंचनी चाहिए। इसके बाद देरी होने पर प्रति घंटे 5 हजार रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। पंचायत का तर्क है कि समय की अनदेखी से अनावश्यक खर्च और अव्यवस्था बढ़ती है।

चीन से मंगाए 'रोबोट डॉग' ने कटवाई नाक

- गलगोटिया यूनिवर्सिटी को AI समिट खाली करने का आदेश

ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। रोबोटिक डॉग 'ओरियन' को लेकर शुरू हुआ विवाद अब एक कदम और आगे बढ़ गया है। ताजा जानकारी के अनुसार, इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजकों ने दावों में गड़बड़ी और बढ़ते सोशल मीडिया हंगामे को देखते हुए यूनिवर्सिटी को एक्सपो वेन्यू खाली करने का निर्देश दिया है। इंडिया एआई इंपैक्ट समिट राष्ट्रीय राजधानी के 'भारत मंडपम' में चल रही है।

- एक्सपो से बाहर होने की मुख्य वजह

समिट के दौरान जब गलगोटिया यूनिवर्सिटी के स्टॉल पर चीन निर्मित 'Unitree Go2' रोबोट को 'ओरियन' नाम देकर पेश किया गया, तो वहां मौजूद विशेषज्ञों और सोशल मीडिया यूजर्स ने इसकी प्रामाणिकता पर सवाल उठाए। विवाद इतना बढ़ा कि समिट की गरिमा और 'मेक इन इंडिया' के विजन को ध्यान में रखते हुए आयोजकों ने सख्त रुख अपनाया।

आरोप है कि यूनिवर्सिटी ने एक कमर्शियल चाइनीज प्रोडक्ट को अपने 'इन-हाउस' इनोवेशन के रूप में पेश किया, जो एक्सपो के नियमों का उल्लंघन था। सूत्रों के अनुसार, समिट के आयोजक किसी भी प्रकार के 'बौद्धिक संपदा' विवाद या गलत दावों को बढ़ावा नहीं देना चाहते थे, जिसके चलते यूनिवर्सिटी को अपना प्रदर्शन रोकने और जगह खाली करने को कहा गया। एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच से इस तरह बाहर किया जाना एक बड़ा झटका माना

टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 की टीमें तय

ग्रुप-1	ग्रुप-2
भारत	इंग्लैंड
सा.अफ्रीका	श्रीलंका
वेस्टइंडीज	न्यूजीलैंड
जिम्बाब्वे	पाकिस्तान

ICC टी20 विश्व कप की शुरुआत 7 फरवरी 2026 को हो चुकी है, और इसको फाइनल मुकाबला 8 मार्च 2026 को खेला जाना है। अभी ग्रुप स्टेज के मुक़ाबले चल रहे हैं। इसके बाद सुपर 8 के मुक़ाबले होने है जिसमे टॉप 8 टीमों के बीच भिढंत होगी जिसमे से 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए खेलेंगी और टॉप 2 टीमों के बीच फाइनल का मुकाबला खेल जाएगा।

सुपर 8 में किसका मुकाबला किससे

ICC टी20 विश्व कप में सुपर 8 में पहुचने वाली टीम का पहले से अनुमान लगाकर सुपर 8 के मुक़ाबले जो पहले से तय है वो इस प्रकार है:

ग्रुप 1 में भारत के साथ वेस्ट इंडीज, ज़िम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका होंगे।

ग्रुप 2 में इंग्लैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड

हालाँकि ज़िम्बाब्वे ने विश्व कप के ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया को हराकर इन ग्रुप स्टेज के मुकाबलों को हिला दिया है और बची हुई कसर श्रीलंका ने निकाल ली। श्रीलंका ने भी ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया का सुपर 8 में पहुँचने का सफ़र काफ़ी मुश्किल कर दिया है।

सुपर 8 में कब कब होंगे भारत के मुक़ाबले

भारत और दक्षिण अफ्रीका – रविवार, 22 फरवरी

भारत और ज़िम्बाब्वे – गुरुवार, 26 फरवरी

भारत और वेस्ट इंडीज– रविवार, 1 मार्च

कब है सेमीफाइनल के मुक़ाबले

ICC टी20 विश्व कप का पहला सेमीफाइनल 4 मार्च को खेला जाना है, वहीं दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को होगा

फाइनल

फाइनल मुकाबला 8 मार्च को खेल जाना है।

लोकसभा चुनाव से पहले जागता है INDIA अलायंस

- नेता बदलने पर बोले संजय राउत

मुंबई. लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटों पर रोकने के बाद उत्साहित दिखे विपक्षी INDIA गठबंधन में अब दरारें पड़ती दिख रही हैं। हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में चुनावी हार ने बिखराव की स्थिति पैदा कर दी है। महाराष्ट्र के निकाय चुनावों में भी अलायंस को करारा झटका लगा है। इस बीच आपसी तकरार भी बढ़ गई है। महाराष्ट्र की उद्धव सेना के नेता संजय राउत ने तो गठबंधन पर ही सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह अलायंस सिर्फ लोकसभा चुनाव से पहले ही ऐक्टिव होता है। उन्होंने कहा, 'लोकसभा चुनाव जब आने वाले हैं, तभी INDIA गठबंधन का काम शुरू होता है। उससे पहले आपस में कोई संवाद तक नहीं होता। चुनाव से पहले कोई यह तक नहीं जानता कि आखिर INDIA अलायंस में चल क्या रहा है।'

उन्होंने कहा कि सिर्फ संसद में हंगामा करने से ही कुछ नहीं होगा। संजय राउत ने कहा कि विपक्षी नेताओं को तो संसद में बोलने भी नहीं दिया जाता। ऐसी स्थिति में वह क्या कर लेंगे। राउत ने कहा कि वे तो राहुल गांधी को संसद में बोलने ही नहीं दे रहे। क्या हम बाहर कुछ कर सकते हैं? उन्होंने कहा कि गठबंधन तो हर वक्त सक्रिय रहना चाहिए। भले ही चुनाव हों या ना हों। ऐसा नहीं चल सकता कि आप आम चुनाव से पहले ही जागें। उन्होंने कहा कि सभी दलों को समन्वित प्रयास करते हुए किसान आंदोलन, कानून व्यवस्था, मणिपुर के हालात पर बात करनी चाहिए। सरकार पर दबाव बनाना चाहिए।

अलायंस को सतर्क रहना होगा...

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, 'देश में बहुत सारी समस्याएं हैं। अमेरिका के साथ डील का यह नतीजा होगा कि देश के किसान मरेंगे। आत्महत्या करने लगेंगे और भुखमरी के हालात पैदा हो सकते हैं। लेकिन इन मसलों को यदि INDIA ब्लॉक सिर्फ संसद में ही उठाएगा तो उससे काम बनने वाला नहीं है।' उन्होंने कहा कि अलायंस को सतर्क रहना होगा और सभी दलों को मिलकर काम करना होगा।

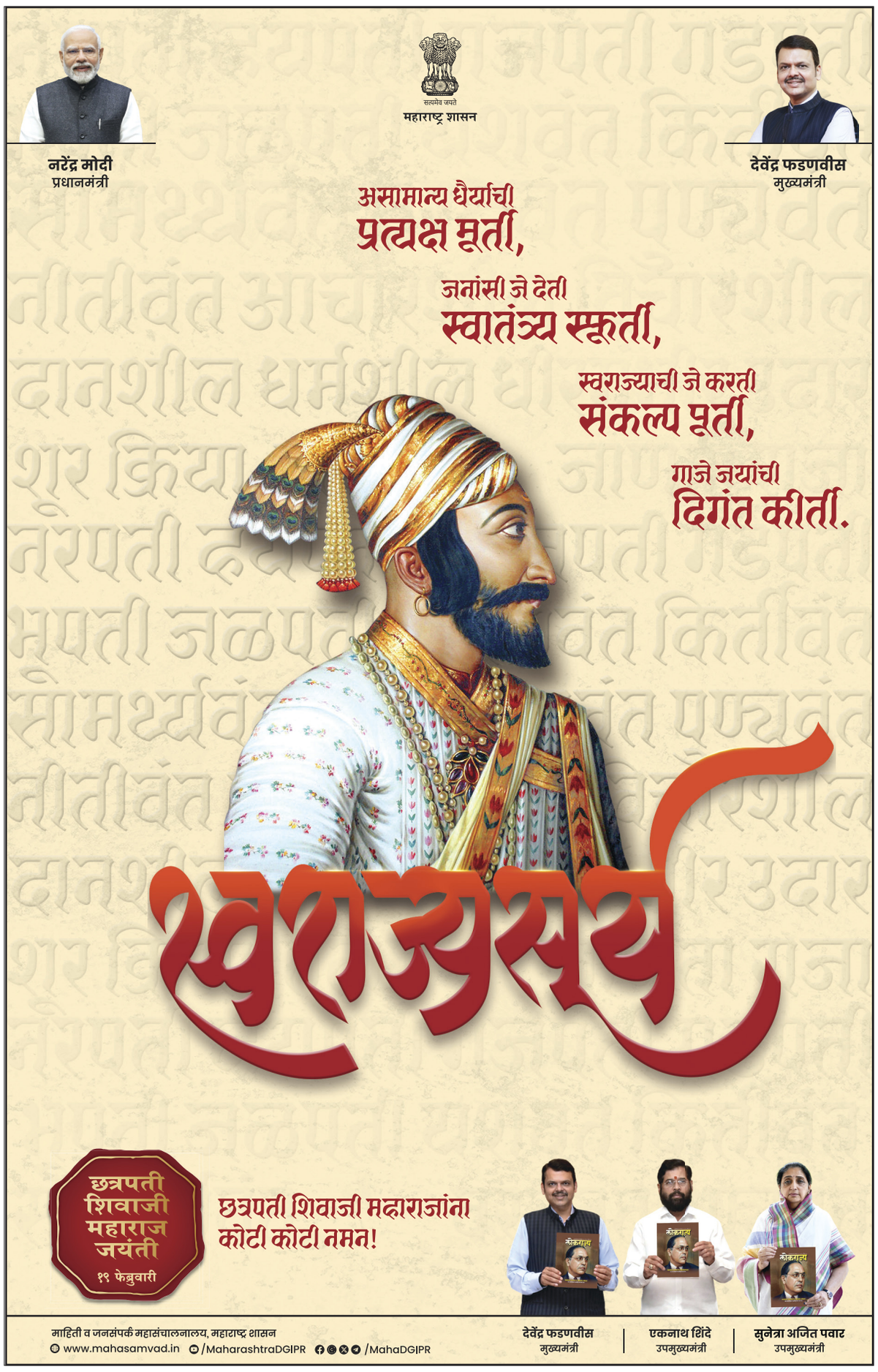

मछुआरों के बच्चों ने 48 गांव प्लास्टिक फ्री किए

- पहले यहां मछलियां पकड़ते थे
- अब रोज 300 पर्यटक आ रहे; 6 बीच तैयार किए

कन्याकुमारी. तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में हिंद महासागर के तट पर बसे 48 गांवों को वहां रहने वाले मछुआरों के बच्चों ने प्लास्टिक मुक्त कर लिया है। साथ ही पर्यटकों के लिए 6 बीच तैयार किए हैं।

करीब 15 किमी में फैले मछुआरों के गांवों के इन बीच पर पहले सिर्फ मछलियां ही पकड़ी जाती थीं। अब रोज यहां 250-

300 पर्यटक पहुंच रहे हैं। यह सब बिना किसी एनजीओ के प्रयास या सरकारी फंड के मुमकिन हुआ है।

यहां 'नेगिजी इल्ला नेथल पडई' (प्लास्टिक मुक्त तटीय ब्रिगेड) नाम की पूरी टीम काम कर रही है। इसमें 850 स्कूली बच्चे और 500 ग्रेजुएट हैं। ये सभी इन्हीं गांवों के हैं। ये हर वीकेंड ग्रुप बनाकर गांवों व तट साफ करते हैं।

- 7 सालों से चल रही मुहिम

7 सालों से चल रही यह मुहिम इंजीनियर मेलबिन रॉबिन ने 2019 में शुरू की थी। उन्होंने 2017 के 'ओखी चक्रवात' में अपने दो भाइयों को खो दिया था।

चक्रवात के बाद उन्होंने देखा कि प्लास्टिक के मलबे की वजह से तबाही ज्यादा हुई थी। इसलिए दो दोस्तों के साथ तट की सफाई शुरू की।

- कचरे से ही निकल रहा खर्च

यह ग्रुप किसी से फंडिंग या मदद नहीं मांगता। इकट्ठा किए प्लास्टिक को बेचकर जो पैसा मिलता है, उसी से वॉलंटियर्स के लिए दस्ताने, जूते और सफाई के उपकरण खरीदते हैं।

- मछुआरे अब समुद्र में नहीं फेंकते प्लास्टिक

वॉलंटियर्स ने मछुआरों को तैयार किया है कि वे समुद्र में इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक वापस जमीन पर लाएं। अब तक इस टीम ने तटों से 7,400 किलो प्लास्टिक कचरा हटाया है।

संक्षेप...

बुजुर्ग महिला की मौत

अंबरनाथ. बुवापाड़ा की निवासी एक 73 वर्षीय वृद्ध महिला की जल जाने से दर्दनाक मौत हो गई. वृद्धा मंदिर में पूजा करने गई थी, मंदिर में जल रहे दीपक की लौ से साड़ी के संपर्क में आ गई और यह घटना हो गयी. महिला 14 फरवरी को स्थानीय शिव मंदिर में पूजा-अर्चना करने गयी थी. अंबरनाथ पश्चिम पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला की साड़ी मंदिर में जलते हुए दीपक के संपर्क में गलती से आ गयी.

मुसलमानों को नौकरी और पढ़ाई में मिलने वाला 5 प्रतिशत आरक्षण रद्द

मुंबई. महाराष्ट्र में नौकरियों और शिक्षा में मुस्लिम समुदाय के लोगों को दिए जाने वाले 5 प्रतिशत आरक्षण को रद्द कर दिया गया है। सरकार ने हाल ही में इसे लेकर एक आदेश जारी किया है। मंगलवार को एक गवर्नमेंट रेजोल्यूशन (जीआर) यानी शासकीय आदेश जारी किया गया है। इससे पहले 5 प्रतिशत आरक्षण से संबंधित पिछले अध्यादेश की अवधि समाप्त हो गई है और उस फैसले पर अदालत द्वारा अंतरिम रोक लगा दी गई है।

गौरतलब है कि राज्य में कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की पिछली सरकार ने मराठा समुदाय को 16 प्रतिशत और मुसलमानों को पांच प्रतिशत आरक्षण देने के लिए एक अध्यादेश जारी किया था। जुलाई 2014 में लाए गए इस अध्यादेश के तहत मुसलमानों को विशेष पिछड़ा वर्ग (ए) (SBC-A) कैटेगरी में डाला गया था और आरक्षण सरकारी नौकरियों और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन पर लागू होता था।

■ सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा था मामला

हालांकि इस अध्यादेश को मुंबई हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने 14 नवंबर 2014 को इस पर रोक लगा दी। वहीं महाराष्ट्र सरकार ने 23 दिसंबर, 2014 की डेडलाइन तक इस अध्यादेश को लेकर कानून नहीं बनाया था, इसलिए यह अपने आप खत्म हो

गया। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ एक स्पेशल लीव पिटीशन (SLP) पर फैसला करते हुए आरक्षण को रद्द कर दिया, जिससे यह नियम अमान्य हो गया था।

■ पिछले सभी निर्णय और अध्यादेश रद्द

अध्यादेश और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद महाराष्ट्र सरकार ने अब तक किसी भी आधिकारिक आदेश के जरिए पहले लाए गए GR को रद्द नहीं किया था। हालांकि अब नए आदेश के मुताबिक विशेष पिछड़ा वर्ग (ए) के अंतर्गत आने वाले सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े मुस्लिम समूह के लिए सरकारी, अर्ध-सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में पांच प्रतिशत आरक्षण से संबंधित सभी पिछले निर्णय और अध्यादेश रद्द कर दिए गए हैं।

नए आदेश में कहा गया है कि सरकार ने 2014 से पूर्व के निर्णयों एवं परिपत्रों को रद्द कर दिया है और विशेष पिछड़ा वर्ग के मुसलमानों को जाति और गैर-'क्रीमी लेयर' प्रमाण पत्र जारी करना बंद कर दिया है।

कपड़ों के गोदाम में लगी आग

कल्याण. शीलफाटा इलाके के महापे रोड स्थित कपड़ों एम. के. कंपाऊंड के एक चिंधी कपडों के गोदाम में आग लग लगाने से लाखों का कपड़ा जलकर ख़ाक हो गया. इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की खनार नहीं है. ठाणे मनपा में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि शीललफाटा क्षेत्र के एम के कंपाउंड में स्थित गोदाम में आग लगने की सूचना मंगलवार रात आठ बजकर 21 मिनट पर मिली. बुधवार को देर रात 12 बजकर 52 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया.

महापौर पिंपलोलकर ने जनरल असेंबली हॉल का निरीक्षण किया

ठाणे. ठाणे मनपा की महासभा 20 फरवरी 2026 को रखी गई है। इसी सिलसिले में, मेयर शर्मिला रोहित पिंपलोलकर ने आज महासभा हॉल का इंस्पेक्शन किया और तैयारियों का रिव्यू किया।इस मौके पर म्युनिसिपल सेक्रेटरी मनीष जोशी, सबअर्बन इंजीनियर सुधीर गायकवाड़ और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर महेश बोराडे मौजूद थे। मेयर ने हॉल में बैठने की व्यवस्था, साउंड सिस्टम, साफ-सफाई, सिक्योरिटी व्यवस्था और दूसरी बेसिक सुविधाओं का इंस्पेक्शन किया।ठाणे मनपा में सभी पार्टियों

के 131 नगरसेवक चुने गए हैं, इसके अलावा हॉल में 10 अप्रूव्ड मेंबर भी मौजूद रहेंगे। इसी सिलसिले में, मेयर ने कुल मेंबरों की संख्या को ध्यान में रखते हुए हॉल में बैठने की व्यवस्था का रिव्यू किया। मेयर ने बताया।महासभा लोगों के प्रतिनिधियों के लिए एक ज़रूरी प्लेटफ़ॉर्म है और यह ज़रूरी है कि काम आसानी से और डिसिप्लिन में हो। इसलिए, इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि टेक्निकल बातों, साउंड सिस्टम और एडमिनिस्ट्रेटिव तैयारियों में कोई गलती न हो। मेयर ने यह भी बताया कि बदले हुए निर्देशों के मुताबिक,महासभा का काम राष्ट्रगान, यानी वंदे मातरम और राज्यगान से शुरू होगा, जबकि महासभा का अंत राष्ट्रगान से होगा, जिसे रिकॉर्ड किया जाना चाहिए। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन यह पक्का करने के लिए तैयार है कि महासभा आसानी से और सफलतापूर्वक हो।

वरिष्ठ नागरिकों को टीएमटी बस का डिजिटल पास

ठाणे. टीएमटी ने वरिष्ठ नागरिकों की बस यात्रा को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए 60 साल और उससे ज़्यादा उम्र के नागरिकों को डिजिटल पास उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है. डिजिटल पास वितरण की शुरुआत महापौर शर्मिला पिंपलोलकर के कार्यालय में हुई. इस मौके पर 11 वरिष्ठ नागरिकों को महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और उप महापौर कृष्णा पाटिल ने डिजिटल बस पास सुपुर्द किया.

राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं तत्कालीन उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने टीएमटी की बसों से यात्रा करने वाले 60 साल और उससे ज़्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए फ्री यात्रा स्कीम शुरू की थी.

अंतिम सम्राट पृथ्वीराज चौहान के नाम पर उल्हासनगर में बने समाज हॉल

चौहान एकता फाउंडेशन की महापौर से मांग

उल्हासनगर. उल्हासनगर में भारी संख्या में चौहान समाज निवास करता है.जो तरह तरह के व्यवसाय से जुड़े है.चौहान समाज के आराध्य अंतिम हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के काफी समर्थक है.समाज के सम्मान के लिए चौहान एकता फाउंडेशन समाज के लोगो ने सामाजिक, शैक्षणिक आदि कार्य के लिए एक समाज हॉल सम्राट पृथ्वीराज चौहान के नाम पर देने की मांग महापौर व आयुक्त को एक निवेदन पत्र देकर की है।

बताया गया कि उल्हासनगर शहर में चौहान समाज प्रतिवर्ष सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती एवं पुण्यतिथि मनाते आ रहा है. इतना ही नहीं समाज की तरफ से कन्यादान,शिक्षा,वैद्यकीय योगदान दे रहे है । समाज हॉल चौहान

समाज को दिए जाने से समाज के लिए सामाजिक,सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम सुचारु रूप से बेहतरीन ढंग से आयोजित किए जा सकेंगे. यह हॉल समस्त समाज के लिए भी उपयोगी ही नहीं वरदान सिद्ध होगा। चौहान एकता फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने श्रीमती अश्विनी निकम(महापौर, उल्हासनगर महानगरपालिका),श्री कुमार आयलानी (विधायक, उल्हासनगर), मनीषा आव्हाले (आयुक्त) को निवेदन कि प्रति देते हुए समाजहित में सकारात्मक मंशा की कामना की है.इस मौके पर सुरेश चौहान (राष्ट्रीय महासचिव चौहान एकता फाउंडेशन) हरेंद्र चौहान (महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष), राजाराम चौहान (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), वसन्त चौहान (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), हनुमान चौहान (शहर अध्यक्ष)लालमोहन चौहान,बहिनी चौहान सहित संस्था के कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

10 वर्षीय बच्ची से यौन उत्पीड़न का आरोपी बरी

ठाणे. जिले की एक अदालत ने 10 साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोपी 32 वर्षीय व्यक्ति को बरी कर दिया है. अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि यह मामला शादी के प्रस्ताव को लेकर पीड़िता की मां के साथ व्यक्तिगत विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है. पॉक्सो से जुड़े मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश डी एस देशमुख ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी एवं पीड़िता की मां के बीच संबंध थे और जब आरोपी ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया तो उनके बीच झगड़ा हुआ. अदालत ने कहा कि पीड़िता को सिखाए-पढ़ाए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता और यौन उत्पीड़न के आरोप साबित करने के लिए उसकी गवाही भरोसा करने लायक नहीं लगती. अभियोजन के मुताबिक, यह घटना 11 अगस्त 2019 को हुई थी, जब 10 वर्षीय पीड़िता और उसकी मां मुंब्रा इलाके में एक बाजार से लौट रही थीं. स्थानीय चाय विक्रेता मोहम्मद नाशिर रैन ने बच्ची को पीछे से पकड़कर गले लगा लिया और अश्लील हरकतें कीं तथा मां के हस्तक्षेप करने पर आरोपी ने उस पर हमला किया.

मनपा के सामने विरोध प्रदर्शन

■ पानी की टंकी बनने में हो रही देरी

भिवंडी. भिवंडी महानगर पालिका के कोटर गेट इलाके में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद मैदान पार्क में बन रही पानी की टंकी के बनने में हो रही देरी को लेकर प्रशासन से जवाब मांगते हुए जावेद अंसारी उर्फ जावेद किरण की अगुवाई में स्थानीय नागरिकों ने मंगलवार (17) को मनपा मुख्यालय के सामने एक दिन का विरोध प्रदर्शन किया। कोटर गेट, मंगल बाज़ार स्लैब और जैतुनपुरा का इलाका पिछले कई सालों से बड़े पैमाने पर पानी की कमी का सामना कर रहा है। इसे दूर करने के लिए मनपा प्रशासन ने इस इलाके में पानी स्टोर करने के लिए पानी की टंकी बनाने की मंज़ूरी दी थी। जावेद अंसारी ने आरोप

लगाया है कि यहां टंकी बनाने का काम शुरू करने के कुछ महीने बाद ही ठेकेदार ने अचानक काम बंद कर दिया, जिससे नागरिकों में फिर से चिंता का माहौल फैल गया है। नागरिकों को सुरक्षित और साफ़ पीने का पानी सप्लाई करना एक बुनियादी नागरिक सेवा है और निवासियों को स्वास्थ्य, सफ़ाई और सार्वजनिक कल्याण के लिए पर्याप्त पानी देना नगर निगम का कानूनी कर्तव्य है। लगातार पानी की कमी के कारण यहां के लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और इसका असर उनकी पब्लिक हेल्थ और रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर पड़ सकता है। इसलिए, जावेद अंसारी ने आखिरकार मांग की है कि यहां टैंक का काम तुरंत शुरू किया जाए और यहां के लोगों के साथ न्याय किया जाए।

राज्य में दूसरे नंबर पर नवी मुंबई

नवी मुंबई. महाराष्ट्र सरकार के एनवायरनमेंट और क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट के 'मेरी वसुंधरा अभियान 5.0' में नवी मुंबई महानगरपालिका को 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले अमृत शहरों के ग्रुप में 'राज्य लेवल पर दूसरा' रैंक मिला है. नवी मुंबई की मेयर सुजाता पाटिल, डिप्टी मेयर दशरथ भगत और आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने नवी मुंबई मनपा के लगातार सफल सफर में एक और सम्मान मिलने पर खुशी जताई है. प्रकृति से जुड़े पांच तत्वों धरती, हवा, पानी, आग और आसमान पर आधारित 'मेरी वसुंधरा अभियान 5.0' 1 जून 2024 से 31 मार्च 2025 तक लागू किया गया था. इसमें 422 महानगरपालिकाओं, नगरपालिकाओं और 27895 ग्राम पंचायत ने हिस्सा लिया. इसमें नवी मुंबई मनपा ने पांचों तत्वों से जुड़े विषयगत क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम किया है और राज्य के बड़े शहरों में दूसरा स्थान हासिल किया है. अभियान अवधि के दौरान स्थानीय निकायों द्वारा किए गए कार्यों का डेस्कटॉप मूल्यांकन और क्षेत्र मूल्यांकन तीसरे पक्ष की एजेंसियों द्वारा किया गया था.

युवा इंजीनियरों को मिला बुलेट ट्रेन निर्माण स्थलों का अनुभव

■ 200 से अधिक युवा इंजीनियरों को मिला ऑन-ग्राउंड अनुभव

ठाणे. अनुभवात्मक शिक्षा और उद्योग–शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के अपने निरंतर प्रयास के रूप में, नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने युवा इंजीनियरों के लिए मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन निर्माण स्थलों पर शैक्षिक और तकनीकी दौरों की एक श्रृंखला का आयोजन किया।इन विजिट को इंजीनियरों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने और उन्हें भारत के पहले हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में शामिल निर्माण पद्धति, इंजीनियरिंग सटीकता और तकनीकी उन्नतियों को समझने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।इंजीनियरों ने वायाडक्ट निर्माण, स्टेशन विकास, पुल कार्य और ट्रैक स्थापना सहित चल रहे कार्यों का अवलोकन किया। निर्देशित साइट दौरे और परियोजना इंजीनियरों तथा साइट प्रबंधन टीमों के साथ संवादात्मक सत्र कार्यक्रम का मुख्य हिस्सा थे, जिससे प्रतिभागियों को योजना, निष्पादन, सुरक्षा प्रथाओं और गुणवत्ता आश्वासन तंत्र की गहरी समझ प्राप्त करने में मदद मिली।यह साइट विजिट्स मुंबई, वडोदरा और अहमदाबाद में स्थित विभिन्न संस्थानों के लिए आयोजित किए गए थे। एनएचएसआरसीएल इंजीनियरों और तकनीकी संस्थाओं को ऐसे शैक्षिक दौरे में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है, जिससे अगली पीढ़ी के इंजीनियरों के लिए ज्ञान साझा करने और कौशल विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया जाता है।कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी जैसे योग्यता, बैच का आकार, लॉजिस्टिक्स और विभिन्न साइट लोकेशन NHSRCL की वेबसाइट (www.nhsrcl.in) पर दिए गए लिंक के तहत उपलब्ध हैं: https://nhsrcl.in/en/educational-visits

रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया मौद्रिक संग्रहालय की शैक्षणिक यात्रा

■ एसएसटी के विद्यार्थियों को मिला समृद्ध अनुभव

उल्हासनगर. एस.एस.टी. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) के मौद्रिक संग्रहालय की शैक्षणिक यात्रा के दौरान केंद्रीय बैंकिंग प्रणाली, मुद्रा निर्माण प्रक्रिया तथा देश की आर्थिक गतिविधियों के संबंध में प्रत्यक्ष एवं गहन जानकारी प्राप्त की। इस पहल से विद्यार्थियों की

शैक्षणिक समझ अधिक व्यापक हुई तथा उन्हें कक्षा के बाहर प्रभावी शिक्षण अनुभव प्राप्त हुआ।

इस यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न कालखंडों के सिक्के, नोटें, मुद्रा प्रणाली का इतिहास तथा आर्थिक नीतियों की जानकारी प्रत्यक्ष रूप से देखी और समझी। पुस्तकीय रूप में जटिल प्रतीत होने वाली अवधारणाएँ संग्रहालय में उपलब्ध दृश्य-श्रव्य माध्यमों के माध्यम से सरल और रोचक ढंग से विद्यार्थियों तक पहुँचीं। मुद्रा से संबंधित लेन-देन, सुरक्षा विशेषताएँ तथा बैंकिंग प्रणाली की कार्यप्रणाली के बारे में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

इस शैक्षणिक यात्रा के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी तथा विश्वस्त डॉ.हीना मूलपानी ने विशेष प्रोत्साहन और सहयोग प्रदान किया। विद्यार्थियों को व्यावहारिक शिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने में उनके मार्गदर्शन को महत्त्वपूर्ण बताया गया। यात्रा के दौरान मार्गदर्शन और समन्वय हेतु डॉ. सुनील शाह, प्रा. सोनम मोरे एवं प्रा. किरण खानचंदानी का विशेष योगदान रहा। उनके सहयोग से यह उपक्रम सफल एवं स्मरणीय सिद्ध हुआ। कुल मिलाकर, इस शैक्षणिक यात्रा से विद्यार्थियों को आर्थिक साक्षरता के साथ-साथ प्रत्यक्ष अनुभव आधारित ज्ञान प्राप्त हुआ, जो उनके शैक्षणिक जीवन में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

जमानत के बाद जेल से बाहर आए राजपाल यादव

■ कहा- आरोपों के खिलाफ हर जगह जवाब देने के लिए उपलब्ध हूं

नई दिल्ली में बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। मंगलवार को रिहाई की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद वह जेल से बाहर आए, जिसके बाद उन्होंने उन्हें मिले लोगों के सपोर्ट का आभार जताया। बता दें कि चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव ने 5 फरवरी को दिल्ली की तिहाड़ जेल में सरेंडर किया था। मीडिया से बातचीत में राजपाल यादव ने कानूनी सवालों पर सीधे कमेंट करने से बचते हुए कहा कि पूरी जानकारी के लिए उनके वकील भास्कर उपाध्याय से पूछा जा सकता है।

■ इंडस्ट्री-दर्शकों का भरपूर साथ- प्यार मिला

राजपाल यादव ने कहा कि वह पिछले 30 सालों से बॉलीवुड का हिस्सा हैं। इस दौरान उन्हें इंडस्ट्री और दर्शकों का भरपूर साथ और प्यार मिला, जिसकी बदौलत वह करीब 250 फिल्मों में काम कर सके।

उन्होंने कहा कि बीते सालों में अदालत के आदेशों का पालन करते हुए वह नियमित रूप से पेश होते रहे हैं और भविष्य में भी जहां आदेश होगा, वहां उपस्थित रहेंगे।

■ समर्थकों का आभार व्यक्त किया

राजपाल ने अपने फैंस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर और उसके बाहर भी उन्हें लोगों का समर्थन मिला है। एक्टर ने कहा कि यदि उनके खिलाफ कोई आरोप है, तो वह 100 प्रतिशत हर जगह जवाब देने के लिए उपलब्ध हैं।

बातचीत के अंत में उन्होंने हाई कोर्ट का धन्यवाद करते हुए कहा कि अदालत ने उन्हें अपनी

गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहीदी शताब्दी

■ स्टूडेंट्स ने 'हिंद की चादर' पहल की अहमियत दिखाई

ठाणे. 'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहीदी शताब्दी के मौके पर कई एजुकेशनल और कल्चरल एक्टिविटीज़ ऑर्गनाइज़ की गईं, जो 28 फरवरी और 1 मार्च को खारघर, नवी मुंबई में ऑर्गनाइज़ की गईं। ठाणे मनपा के स्कूलों ने इस पहल में अपने-आप हिस्सा लिया और अलग-अलग प्रोग्राम्स को कामयाबी से लागू किया।ठाणे स्कूलों के स्टूडेंट्स की एक प्रभातफेरी निकाली गई। इस प्रभातफेरी में कुल 365 स्कूलों ने हिस्सा लिया। लगभग 14,474 स्टूडेंट्स ने प्रभातफेरी में हिस्सा लिया और गुरु तेग बहादुर की कुर्बानी को याद किया। देशभक्ति के नारे लगाए गए, प्लेकार्ड्स दिखाए गए और सामाजिक एकता का मैसेज दिया गया।भाषण प्रतियोगिता में 390 विद्यालयों के 2,751 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने 'हिंद की चादर' शीर्षक के पीछे के इतिहास, धार्मिक स्वतंत्रता के लिए दिए गए बलिदान और राष्ट्रीय एकता के संदेश पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए।प्रभातफेरी में 156 विद्यालयों के 16,301 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता रैलियां निकाली गईं।गीत गायन प्रतियोगिता में 200 विद्यालयों के 3,195 छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति और कीर्तन आधारित गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के माध्यम से वीरता, बलिदान और मानवता का संदेश प्रभावी ढंग से दिया गया।इन सभी गतिविधियों से छात्रों में इतिहास, धार्मिक सहिष्णुता और राष्ट्रीय एकता की भावना के प्रति जागरूकता बढ़ी। श्री गुरु तेग बहादुर के बलिदान से प्रेरित होकर समाज में भाईचारे और समानता का संदेश देने की यह कोशिश, जिसे 'हिंद-की-चादर' के नाम से जाना जाता है, सफल रही।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती शिव दुलारी भुल्लू पाल सभी को सूचित कर रही हूं कि श्री भुल्लू पाल का देहांत 28 मई 2025 को हो गया है. उनके नाम पर ऑटो रिक्शा नं. एमएच 05 सीपी 2907 है और परमिट नं. 1919/उल्हासनगर जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त ऑटो रिक्शा पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा रिक्शा नं. एमएच 05 सीपी 2907 मेरे श्रीमती शिव दुलारी भुल्लू पाल के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती शिव दुलारी भुल्लू पाल
शहाड फाटक, नामदेव वाड़ी, ए ब्लाक रोड, उल्हासनगर-1

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099